

मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना

चर्चा में क्यों?

बिहार के **मुख्यमंत्री** नीतीश कुमार ने **मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना** का शुभारंभ किया, जिसके तहत महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिये 10,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी, बशर्ते वे **जीविका स्वयं सहायता समूहों** में शामिल हों।

- इसे **प्रधानमंत्री** द्वारा **बिहार राज्य जीविका नधि साख सहकारी संघ** के शुभारंभ से पूरक बनाया गया, जिसका उद्देश्य जीविका सदस्यों को कफ़ायती ऋण उपलब्ध कराना है।

मुख्य बंदि

योजना के बारे में:

- **उद्देश्य:** बिहार में प्रत्येक परिवार की एक महिला को **स्व-रोज़गार उद्यम** शुरू करने के लिये **10,000** रुपये की प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- **कार्यान्वयन:** योजना के अंतर्गत रोज़गार प्रारंभ करने की इच्छुक महिलाओं को **जीविका स्वयं सहायता समूह** से जुड़ना अनिवार्य होगा, जिसके माध्यम से आवश्यक धन उपलब्ध कराया जाएगा।
 - योजना के लिये आवेदन-पत्र का प्रारूप तैयार हो चुका है और महिलाओं को **सितंबर** से धनराशि मिलनी शुरू हो जाएगी।
- **नोडल एजेंसी:** **ग्रामीण विकास विभाग** इस योजना के लिये **नोडल एजेंसी** के रूप में कार्य करेगा, जबकि **शहरी विकास एवं आवास विभाग** इसके कार्यान्वयन के लिये आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।
- **भविष्य की संभावनाएँ:** छह महीने बाद योजना के प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इस पहल की सफलता के आधार पर लाभार्थियों को **2 लाख रुपये** तक की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जा सकती है।
- **स्थानीय बाज़ारों की भूमिका:** यह योजना स्थानीय बाज़ारों या 'हाट बाज़ारों' की स्थापना को भी प्रोत्साहित करेगी, जहाँ महिलाएँ स्वयं नरिमित उत्पादों की बिक्री कर सकेंगी। इससे उनकी आर्थिक स्वावलंबन क्षमता सुदृढ़ होगी।
- **प्रभाव:** इस पहल का उद्देश्य बिहार से रोज़गार की तलाश में होने वाले **लोगों के पलायन** को रोकना तथा राज्य के भीतर बेहतर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराना है।

बिहार राज्य जीविका नधि साख सहकारी संघ लमिटिड

- **उद्देश्य:** इसकी परिकल्पना एक **वैकल्पिक वित्तीय तंत्र** के रूप में की गई है, ताकि **माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (MFIs)** पर निर्भरता कम की जा सके तथा कम ब्याज दरों पर समय पर अधिक ऋण राशि उपलब्ध कराई जा सके।
- **सदस्यता:** जीविका के अंतर्गत **पंजीकृत सभी क्लस्टर-स्तरीय संघ** इस संघ के सदस्य बनेंगे।
- **वित्तपोषण:** इस संस्था के संचालन हेतु **बिहार सरकार तथा केंद्र सरकार दोनों** ही वित्तीय सहयोग प्रदान करेंगी।
- **पारदर्शिता:** यह व्यवस्था पूर्णतः **डिजिटल प्लेटफॉर्म** पर कार्य करेगी, जिससे जीविका दीदियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष, त्वरति तथा पारदर्शी धन अंतरण सुनिश्चित होगा। इस प्रक्रिया को सहयोग देने के लिये **12,000 सामुदायिक कार्यकर्त्ताओं** को **टैबलेट** उपलब्ध कराए जाएंगे।